# वाटिकन रेडियो eसमाचार

सत्य, शांति, सद्भावना व वार्ता को समर्पित | 455 वाँ अंक | 3 मई, 2011 मंगलवार


3 मई, 2011 मंगलवार

## मुख्य समाचार


- धन्य जोन पौल द्वितीय ने ईसाइयों को निर्भीक बनाया -1
- कार्डिनल अगुस्टिन गारसिया गासको वाई का निधन - 2
- धन्य जोन पौल द्वितीय ईश्वर के महान् वरदान -3
- संत पापा का रविवारीय संदेश -4
- वाटिकन सिटीः बिन लादेन को ईश्वर के समक्ष उत्तर देना होगा- वाटिकन प्रवक्ता - 6
- वाटिकन सिटीः बिन लादेन को ईश्वर के समक्ष उत्तर देना होगा- वाटिकन प्रवक्ता


## धन्य जोन पौल द्वितीय ने ईसाइयों को निर्भीक बनाया

*जस्टिन तिर्की, ये.स.*

वाटिकन रेडियो, 2 मई, 2011(ज़ेनित) " धन्य संत पापा जोन पौल द्वितीय ने ईसाइयों को अपने विश्वास और जीवन्त सत्य को निर्भीक होकर घोषित करने में सहायता दी।"

उक्त बात संत पापा बेनेदिक्त सोलहवें ने उस समय कहीं जब उन्होंने धन्य घोषणा समारोह में प्रवचन दिये।

विदित हो कि संत पापा ने एक मई रविवार को संत पेत्रुस महागिरजाघर के प्राँगण में यूखरिस्तीय बलिदान की अध्यक्षता की। मिस्सा बलिदान में देश-विदेश के करीब 10 लाख लोगों ने हिस्सा लिया। संत पापा ने कहा " अपने विश्वास प्रेम और प्रेरितिक साहस के द्वारा पोलैंड के इस आदर्श पुत्र ने दुनिया के लोगों को निर्भय होकर, अपने ख्रीस्तीय विश्वास का साक्ष्य देने, कलीसियाई जीवन बखूबी जीने और सुसमाचार का प्रचार करने के लिये बल प्रदान किया। "

उन्होंने कहा " धन्य संत पापा जोन पौल ने कहा था कि हम सत्य से न डरें क्यों सत्य ही स्वतंत्रता की गारंटी है।"

उन्होंने कहा कि " संत पापा जोन पौल द्वितीय ने हमें येसु मसीह में विश्वास करने की शक्ति दी है क्योंकि येसु 'रिदेमतोर होमिनिस' अर्थात 'मानव मसीहा' हैं।"

संत पापा ने कहा कि " धन्य संत पापा जोन पौल द्वितीय ने उन्हीं बातों को लोगों से करने को कहा जिन्हें उन्होंने खुद ही पूरा किया - उन्होंने ईश्वर प्रदत्त शक्ति से समाज संस्कृति, राजनीति तथा आर्थिक संरचनाओं को येसु के साथ जोड़ने का प्रयास किया। यह एक ऐसा ज्वार था जो अपरिवर्तनीय प्रतीत हुआ।"

संत पापा ने कहा कि कारोल वोयतिवा जो अब धन्य जोन पौल द्वितीय बन गये हैं लोगों को इस बात की शिक्षा दी कि " मानव चर्च का पथ है और येसु मसी मानव का पथ है। "

पोप ने कहा कि धन्य जोन पौल द्वितीय ने ख्रीस्तीय धर्म के यथार्थ चेहरे को लोगों के समक्ष लाया। उन्होंने ख्रीस्तीय धर्म को आशा का धर्म कहा।

संत पापा ने कहा कि " जोन पौल के प्रार्थनामय जीवन से वे अत्यधिक प्रभावित थे। वे अपनी व्यस्तताओं के बावजूद ईश्वर से जुड़े रहते थे। उन्होंने अपनी बीमारी के बावजूद कलीसिया का नेतृत्व किया क्योंकि उनका जीवन नम्र और येसु से संयुक्त था।"

## कार्डिनल अगुस्टिन गारसिया गासको वाई का निधन

*जस्टिन तिर्की, ये.स.*

कार्डिनल अगुस्टिन गारसिया

रोम 2 मई, 2011(ज़ेनित) धन्य जोन पौल की धन्य घोषणा समारोह में भाग लेने के लिये आये स्पेन निवासी कार्डिनल अगुस्टिन गारसिया गासको वाई का निधन दिल का दौरा पड़ने से हो गया। वे 80 साल के थे।

संत पापा ने वालेन्शिया के धर्माध्यक्ष को अपना शोक संदेश भेजा है और कार्डिनल के परिवार के शोकित लोगों को अपना आध्यात्मिक सामीप्य प्रकट किया है।

ज़ेनित समाचार के अनुसार कार्डिनल अगुस्टिन स्पेन के वालेन्शिया के सेवानिवृत्त महाधर्माध्यक्ष थे और जोन पौल द्वितीय की धन्य घोषणा समारोह के लिये बुधवार 27 अप्रैल से रोम में थे।

उन्होंने जोन पौल द्वितीय के सम्मान में शनिवार 30 अप्रैल को 'चिरको मक्सीमुस' में आयोजित विशेष सान्ध्य प्रार्थना सभा में भी हिस्सा लिया था।

रविवार को नाश्ते के लिये निश्चित समय में नहीं पहुँचा देख लोग उसके कमरे में पहुँचे तो उसे अचेतावस्था में पाया । अम्बलेंस से सान कारलोस अस्पताल पहुँचाया गया जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित किया।

अगुस्टिन गारिस्या गास्को वाई विचन्ते का जन्म सन् 1931 में हुआ था। उनका पुरोहिताभिषेक सन् 1956 ईस्वी में हुआ था। अगुस्टिन को सन् 1985 ईस्वी में मैडरिड धर्मप्रांत का धर्माध्यक्ष नियुक्त किय गया था।

सन् 1992 में वालेनशिया के महाधर्माध्यक्ष बने और स्न 2007 ईस्वी में संत पापा ने उन्हें कार्डिनल की ज़िम्मेदारी सौंपी थी। सन् 2009 ईस्वी में वे सेवानिवृत्त हुए।

कार्डिनल गारसिया की मृत्यु के बाद अब कार्डिनल मंडली में कार्डिनलों की संख्या 198 रह गयी है और उनमें से सिर्फ़ 115 ही अगले पोप के चुनाव में अपना वोट डाल सकते हैं।

## स्वर्ग की रानी आनन्द मना प्रार्थना करने से पूर्व संत पापा का संदेश

*जोसेफ कमल बाड़ा*

वाटिकन सिटी, 3 मई, 2011(सेदोक, वीआर) संत पापा बेनेडिक्ट 16 वें ने रविवार 1 मई को संत पेत्रुस बासिलिका के प्रांगण में आयोजित समारोही ख्रीस्तयाग समारोह में पोप जोन पौल द्वितीय को धन्य घोषित कर वेदी का सम्मान प्रदान किया। उन्होंने इस समारोही ख्रीस्तयाग के अंत में स्वर्ग की रानी आन्नद मना प्रार्थना का पाठ करने तथा तीर्थयात्रियों को समारोही आशीर्वाद प्रदान करने से पूर्व विश्वासियों को विभिन्न भाषाओं में सम्बोधित किया।

संत पापा ने फ्रेंच भाषी तीर्थयात्रियों को सम्बोधित करते हुए कहा- धन्य घोषणा समारोह में शामिल होने के लिए रोम आये फ्रेंच भाषी देशों के आधिकारिक प्रतिनिधिमंडलों, सैन्य और नागरिक अधिकारियों तथा कार्डिनलों, धर्माध्यक्षों, परोहितों और तीर्थयात्रियों का मैं सहर्ष स्वागत करता हूँ।

प्रिय मित्रो, धन्य जोन पौल द्वितीय का जीवन और काम नवीकृत समर्पण का स्रोत है कि सब लोगों की सेवा करें। मैं उनसे याचना करता हूँ कि सबसे अधिक कमजोर लोगों

के प्रति विशेष ध्यान देते हुए ईश्वर के प्रतिरूप में बनाये गये हर व्यक्ति की प्रतिष्ठा तथा प्रेम की सभ्यता के निर्माण के लिए हर व्यक्ति के प्रयास को वे आशीष दें। आप उनके साथ अपने देश और देश के संतों के पदचिह्नों पर चलें। माता मरिया आपके साथ हों

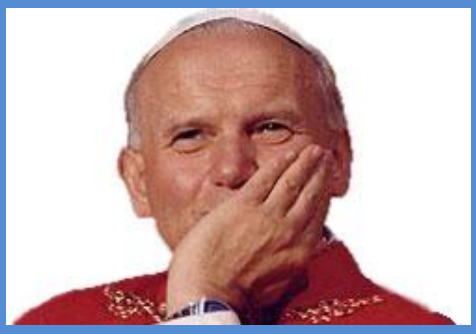

संत पापा ने अंग्रेजी भाषियों को सम्बोधित करते हुए कहा- आज के ख्रीस्तयाग में शामिल हो रहे सब अंग्रेजी भाषी तीर्थयात्रियों और पर्यटकों का मैं अभिवादन करता हूँ।

मैं विश्व के विभिन्न देंशों से आये विशिष्ट नागरिक अधिकारियों और प्रतिनिधियों का समागत करता हूँ जो धन्य जोन पौल द्वितीय के प्रति सम्मान प्रदर्शित करने के लिए यहाँ हमारे साथ आये हैं।

ख्रीस्त में उनका दृढ़ विश्वास का उदाहरण हमें नया जीवन जिसका समारोह हम पास्का में मनाते हैं इसको पूरी तरह जीने के लिए प्रेरणा प्रदान करे, दिव्य करूणा के आइकन बन सकें तथा ऐसे विश्व की रचना करने के लिए काम कर सकें जहाँ हर नर, नारी और बच्चे की मर्यादा और अधिकार का सम्मान और प्रसार किया जाता है। उनकी प्रार्थना पर भरोसा रखते हुए मैं आप और आपके परिजनों पर पुर्नजीवित ख्रीस्त की शांति की कामना करता हूँ।

संत पापा ने जर्मन भाषी सरकारी प्रतिनिधिमंडलों, प्रशासनिक अधिकारियों, धार्मिक नेताओं, भाईयो और बहनों का स्वागत करते हुए कहा- स्वर्गीय संत पापा जोन पौल द्वितीय अब भी हमारी आंखों के सामने जीवित हैं जैसा कि उन्होंने सुसमाचार की ताजगी को घोषित किया तथा अपने काम में ईश्वर की दया और ख्रीस्त के प्रेम को प्रकट किया।

हम इस नये धन्य से याचना करें ताकि हम भी संसार में ख्रीस्त की उपस्थिति के सानन्द साक्षी बनें। पुर्नजीवित ख्रीस्त की शाँति आपके साथ हो। स्पानी भाषी तीर्थयात्रियों, कार्डिनलों, धर्माध्यक्षों, पुरोहितों, गुरूकुल छात्रों, विश्वासियों, तथा स्पेन और लातिनी अमरीका से आये नागरिक अधिकारियों और आधिकारिक प्रतिनिधिमंडलों का सस्नेह अभिवादन करते हुए संत पापा ने कहा- नये धन्य ने अथक आपके क्षेत्रों का दौरा किया जिसकी विशेषता थी ईश्वर पर भरोसा, मरिया का प्रेम तथा संत पेत्रुस के उत्तराधिकारी के प्रति स्नेह।

उन्होंने हर प्रेरितिक यात्रा के समय आपके ईमानदार और स्नेहपूर्ण सम्मान को पाया। मैं आपको कलीसिया तथा ख्रीस्त के प्रति प्रेम और निष्ठा के उदाहरण का अनुसरण करने के लिए आमंत्रित करता हूँ। आपके निवेदनों को सुनते हुए वे आसमान से आपका साथ दें। शांति, सहयोग और सहृदयता बनाये रखने के लिए मदद करें जो आपके नागरिकों की प्रगति के लिए जरूरी है। ईश्वर आपको आशीष दें।

पुर्तगाल भाषी तीर्थयात्रियों और आधिकारियों के प्रति हार्दिक अभिवादन व्यक्त करते हुए संत पापा ने कहा--- मेरी कामना है कि इस नये धन्य की मध्यस्थता से आपको बहुत मात्रा में ईश्वरीय वरदान मिलें उनका साक्ष्य आपके दिल में प्रतिध्वनित हो और होंठ बारम्बार उच्चारित करें जिसे उन्होंने अपने परमाध्यक्षीय काल के शुरू में कहा था- डरो नहीं, द्वार को खोलो, ख्रीस्त के लिए दरवाजे को जोर से खोलो। ईश्वर आपको आशीष दें।

पोलिश भाषी तीर्थयात्रियों और भक्तों को सम्बोधित करते हुए संत पापा ने कहा- व्यक्तिगत रूप से उपस्थित

होकर या मीडिया के माध्यम से इस धन्य घोषणा समारोह में भाग ले रहे पोलैंडवासियों का मैं हार्दिक अभिवादन करता हूँ। मैं कार्डिनलों, धर्माध्यक्षों, पुरोहितों, समर्पित लोगों तथा सब विश्वासियों का अभिवादन करता हूँ।

मैं राष्ट्रपति के नेतृत्व में आये सब नागरिक और क्षेत्रीय अधिकारियों का अभिवादन करता हूँ। मैं आप सबको को आपके देशवासी धन्य पोप जोन पौल द्वितीय की मध्यस्थता के सिपुर्द करता हूँ। मैं आपकी मातृभूमि के सबलोगों के लिए शांति, एकता और हर प्रकार की समृद्धि की कामना करता हूँ।

अंत में संत पापा ने इताली भाषा में कहा- इटली के राष्ट्रपति तथा उनके साथ आये प्रतिनिधिमंडल का मैं हार्दिक अभिवादन करता हूँ तथा इन दिनों के समारोहों के आयोजन के लिए इताली अधिकारियों से मिले सहयोग की सराहना करते हुए उन्हें विशेष रूप से धन्यवाद देता हूँ।

फिर मैं कैसे उनका नाम नहीं ले सकता हूँ जिन्होंने इस समारोह के लिए महान उदारता के साथ बहुत लम्बे समय से तैयारी की- मेरा रोम धर्मप्रांत और कार्डिनल वालिनी, रोम नगरपालिका और इसके नगराध्यक्ष, सुरक्षा उपलब्ध कराने वाले सब दल, विभिन्न संगठन, एसोसियेशन्स, असंख्य कार्यकर्त्ता तथा जिन्होंने भी अपनी सहायता देने के लिए स्वयं को अर्पित किया।

कृतज्ञता से भरे मेरे विचार वाटिकन की संस्थाओं और विभागों के प्रति भी है। इन सब प्रयासों में मैं जोन पौल द्वितीय के लिए महान प्रेम के चिह्न को देखता हूँ।

अंत में मैं संत पीटर्स स्कवायर और इसके निकटवर्ती सड़कों तथा रोम शहर के विभिन्न भागों में जमा हुए सब तीर्थयात्रियों तथा रेडियो और टेलिविजन के माध्यम से जुड़े सबलोगों, इसके निदेशकों और आपरेटरों का सस्नेह अभिवादन करता हूँ जिन्होंने सबसे दूर स्थित लोगों को भी इस समारोह में भाग लेने के लिए सफल बनाने के लिए अपना सबकुछ लगा दिया है।

बीमार और बुजुर्ग लोगों जिनके प्रति नव धन्य घोषित जोन पौल द्वितीय विशेष रूप से समीपता महसूस करते थे मैं विशेष अभिवादन करता हूँ। और अब जोन पौल द्वितीय के साथ आध्यात्मिक रूप से संयुक्त होकर हम पवित्रतम माता मरियम को ओर मुखातिब होते हैं। सम्पूर्ण ईशप्रजा की यात्रा को कलीसिया की माता के सिपुर्द करते हैं।

इतना कहने के बाद संत पापा ने स्वर्ग की रानी आनन्द मना प्रार्थना का पाठ किया और सबको अपना प्रेरितिक आशीर्वाद दिया।

## धन्य जोन पौल द्वितीय ईश्वर के महान् वरदान

---

*जस्टिन तिर्की, ये.स.*

रोम, 2 मई, 2011 (अंग्रेजी, वीआर) वाटिकन सिटी के राज्य सचिव कार्डिनल बेरतोने ने कहा है कि " उनका दिल ईश्वर के प्रति कृतज्ञता से भरा है क्योंकि उन्होंने हमें धन्य जोन पौल द्वितीय को दिया है।"

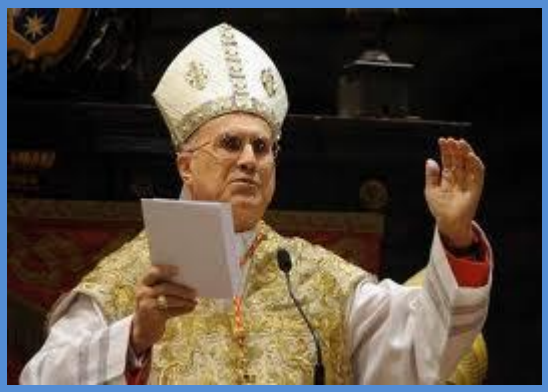

कार्डिनल बेरतोने ने उक्त बातें उस समय कहीं जब उन्होंने सोमवार 2 मई को संत पेत्रुस महागिरजाघर के प्राँगण में धन्यवादी यूखरिस्तीय बलिदान चढ़ाया जिसमें हज़ारों तीर्थयात्रियों ने हिस्सा लिया।

उन्होंने धन्य कारोल वोयतिवा को और उनके विश्वास की विरासत की याद करते हुए कहा " हम ईश्वर को धन्यवाद देते हैं जिन्होंने हमें संत पापा जोन पौल द्वितीय के समान भला चरवाहा हमें दिया।"

" जोन पौल एक भले चरवाहे थे जिन्हें मानव इतिहास में ईश्वरीय उपस्थिति की पहचान करने का विशेष वरदान प्राप्त था और जो ईशवचन के प्रचार-प्रसार और उसकी घोषणा के लिये पूर्ण समर्पित थे।"

कार्डिनल बेरतोने ने कहा कि वे ईश्वर के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने कलीसिया को जोन पौल द्वितीय को दिया जिन्होंने दुनिया को ख्रीस्तीय विश्वास को उसके मूल्यों की रक्षा के बारे में बताया। "

उन्होंने काथलिक कलीसिया को दुनिया के सामने एक नैतिक अधिकार के रूप में प्रस्तुत किया। वाटिकन सचिव कार्डिनल बेरतोने ने कहा कि " वे ईश्वर को धन्यवाद देते हैं क्योंकि दुनिया के लोगों ने संत पापा जोन पौल द्वितीय की मानवता, उसके शब्द और कार्यों को साक्ष्य दिया।"

## वाटिकन सिटीः बिन लादेन को ईश्वर के समक्ष उत्तर देना होगा- वाटिकन प्रवक्ता

जूलयट जेनेविव क्रिस्टफ़र

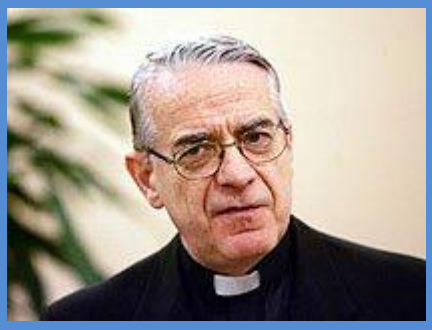

वाटिकन सिटी, 02 मई सन् 2011 (सेदोक): वाटिकन के प्रवक्ता फादर फेदरीको लोमबारदी ने ओसामा बिन लादेन की मृत्यु पर पत्रकारों के सवालों के जवाब में एक वक्तव्य जारी कर कहा कि बिन लादेन को ईश्वर के समक्ष उत्तर देना होगा।

उन्होंने कहा कि इतने अधिक लोगों की हत्या करने तथा लोगों के बीच घृणा फैलाने के लिये धर्म का दुरुपयोग करनेवाले आल कायदा के नेता ओसामा बिन लादेन को ईश्वर के समक्ष लेखा-जोखा देना होगा।

वाटिकन प्रवक्ता फादर लोमबारदी ने कहा कि यद्यपि ख्रीस्तीय धर्मानुयायी "किसी की मृत्यु पर हर्षित नहीं होते, तथापि, यह हमें याद दिलाती है ईश्वर एवं मानव के आगे प्रत्येक को अपनी ज़िम्मेदारी निभानी है।

ओसामा बिन लादेन पर, लोगों के बीच विभाजन एवं घृणा के प्रसार, असंख्य लोगों की हत्या तथा इन लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु धर्म के दुरुपयोग के गम्भीर आरोप थे।"

वाटिकन हर प्रकार की हिंसा की निन्दा करता है, इस बात पर बल देते हुए फादर लोमबारदी ने कहा कि विशेष रूप से, ईश्वर एवं धर्म के नाम पर, हिंसा का खण्डन अनिवार्य है।

उन्होंने कहा कि वाटिकन की आशा है कि बिन लादेन की मौत और अधिक घृणा का प्रसार न करे, बल्कि यह समय शांति का अवसर बने।

जोसेफ कमल बाड़ा | जुलयट जेनेविव क्रिस्टफ़र | जस्टिन तिर्की ये.स.

कुछ महत्त्वपूर्ण वेबसाइटस्

http://www.radiovaticana.org (संत पापा का रेडियो 45 भाषाओं में)

http://www.youtube.com/vatican (यू ट्यूब में संत पापा)

http://www.zenit.org/english/gift.html (रोम की नज़र से विश्व)

For Private Circulation only

## वाटिकन रेडियो के सामान्य कार्यक्रम

शनि संध्या- रवि प्रातः-रविवारीय धर्मग्रंथ एवं आराधना-विधि चिन्तन

रवि संध्या-सोम प्रातः- युवा कार्यक्रम नई दिशाएँ एवं साप्ताहिक कार्यक्रमःचेतना जागरण

सोम संध्या-मंगल प्रातः- रविवारीय देवदूत प्रार्थना से पूर्व दिया गया संत पापा का संदेश

मंगल संध्या-बुध प्रातः कलीसियाई दस्तावेज़ःएक अध्ययन

बुध संध्या-गुरु प्रातः- साप्ताहिक आमदर्शन समारोह में संत पापा का संदेश और श्रोताओं के पत्र

गुरु संध्या-शुक्र प्रातः-पवित्र धर्मग्रंथ बाईबिलःएक परिचय

शुक्र संध्या-शनि प्रातः- सामयिक लोकोपकारी चर्चा

प्रसारण की समाप्ति लगभग 6 मिनटों के कलीसियाई और लोकोपकारी समाचारों से होती है

## हमारा पता


Regional office Hindi
Vatican Radio, Satya Bharati, P.B. 2,
Dr. Camille Bulcke Path, Ranchi, 843001
Jharkhand, India.
E-mail:- hindi@vatiradio.va

Rome
Vatican Radio, Indian Section,
00120 Vatican City.
Rome, Italy.
Email:- india@vatiradio.va
tamil@vatiradio.va, engindia@vatiradio.va
malayalam@vatiradio.va,
urdu@vatiradio.va

Vatican Radio Regional offices

Tamil & English
Loyola College. PB. No.3301,
Chennai 600 034 TN India,
vradioch@gmail.com

Malayalam
POC, PB. No. 2251, Palarivattom,
Kochi-682 025, Kerala, India,
vrkochi@gmail.com